चतुर्थ–वर्गः

8. अधोलिखित श्लोक का आशय स्पष्ट कीजिए? 6

कान्ता हस्तगतेति पृच्छति तदा कन्या विलग्नाधिप-

स्सौम्यः सिंहगतः कलत्रभवने मीने गुरूः संस्थितः।

दृष्टिर्नैव तयोश्शशी चलगतिर्द्वाभ्यां च दृष्टो बुधा-

दोजश्चार्ययदिन्द्रमन्त्रिणि कलप्राप्तिः परस्माद्भवेत् ।।

9. मुन्था किसे कहते हैं? ताजिक भूषण के अनुसार मुन्था आनयन की विधि पर प्रकाश डालिए। 6

A **(Printed Pages 4)**

Roll No._____

A-263

बी.ए. (तृतीय वर्ष) परीक्षा, 2015

ज्योतिर्विज्ञान

तृतीय प्रश्न-पत्र

(जैमिनि जातकशास्त्र तथा ताजिक)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 40**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। प्रत्येक वर्ग से **एक** प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक है।

1. अधोलिखित प्रश्नों के सङ्क्षिप्त उत्तर दीजिए? 16

(क) 'अभिपश्यन्त्यृक्षाणि पार्श्वे च' सूत्र से क्या अभिप्राय है?

(ख) जैमिनिसूत्र के अनुसार स्थिरराशिस्थ ग्रह अपने स्थान से किन स्थानों को देखता है।

(ग) 'पञ्चमूषिकामाजीराः' सूत्र का क्या अर्थ है?

(घ) जैमिनि के मत में केमद्रुम योग कब बनता है?

(ङ) जैमिनिसूत्र के अनुसार दाम्पत्य सुख का विचार कैसे करते हैं?

(च) उपपद का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए?

(छ) जैमिनि के अनुसार मनुष्य की परमायु कितनी हो सकती है?

(ज) ताजिक भूषण में कितने प्रकार के हर्षस्थानों का वर्णन है?

(झ) शूलग्रह से क्या अभिप्राय है?

(ञ) ताजिक भूषण के अनुसार इक्कबाल योग का लक्षण बताइये।

प्रथम-वर्ग

2. अधोलिखित सूत्रों की विशद व्याख्या कीजिए? 6

(क) यावद्विवेकमावृत्तिर्भावानाम् ।

(ख) सगुलिके विषदो विषहतो वा।

3. जैमिनीय परम्परा में 'अर्गला' से क्या अभिप्राय है? जैमिनि सूत्रोक्त अर्गला योगों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए? 6

द्वितीय–वर्ग

4. अधोलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 6

(क) रोगेशयोः स्वत ऐक्ये योगे वा मध्यमायुः।

(ख) मलिने द्वारबाह्ये नवांशे निधनं द्वारद्वारेशयोश्च मालिन्ये।

5. जैमिनिसूत्रोक्त आयुदीयाध्याय के अनुसार दीर्घायुष्य-योगों पर प्रकाश डालिए? 6

तृतीय–वर्ग

6. अधोलिखित सूत्रों की विशद व्याख्या कीजिए? 6

(क) विषमे तदादिर्नवांशः।

(ख) कुजादिस्त्रिकूट पदक्रमेण दृग्दशा।

7. जैमिनिसूत्रोक्त केन्द्र दशा से क्या अभिप्राय है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 6